रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-09022022-233246
CG-DL-E-09022022-233246

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 9, 2022/माघ 20, 1943
No. 40] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 9, 2022/MAGHA 20, 1943

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2022

शोक संदेश

फा. सं.3/1/2022-पब्लिक.—भारत रत्न से सम्मानित गायिका, सुश्री लता मंगेशकर का 06 फरवरी, 2022 को मुम्बई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया।

2. 28 सितंबर, 1929 को इंदौर में जन्मी, लता मंगेशकर ने चार वर्ष की उम्र में अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया। सात वर्ष की उम्र में उन्होंने पहली बार संगीत कार्यक्रम में गाया। 1942 में अपने पिता के देहांत के बाद, तेरह वर्ष की लता ने परिवार के भरण-पोषण का दायित्व अपने हाथों में ले लिया। संगीत निर्देशक गुलाम हैदर ने उनका परिचय बांबे टाकीज से कराया, और करीब 75 वर्षों तक उन्होने हजारों फिल्मी गीतों को अपनी मधुर आवाज़ दी तथा भारत और विदेश के करोड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध किया। दीदी, जैसा कि उन्हें आदर से कहा जाता है, के लिए भाषा कभी कोई बाधा नहीं रही। उन्होंने अधिकांश भारतीय भाषाओं में 30,000 से ज्यादा मधुर गीत गाए। उन्हें संस्कृत में भगवद् गीता रिकॉर्ड करने का श्रेय जाता है। उनका संगीत दुनिया भर के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। फिल्मों के अलावा, वह भारत के विकास के प्रति उत्सुक रहती थीं तथा सदैव एक सुदृढ़ और विकसित भारत देखना चाहती थीं।

3. लता मंगेशकर को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1999), दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (1989) और सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न (2001) प्रमुख हैं। 2009 में, फ्रांसीसी सरकार ने उन्हें अपना सर्वोच्च सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द फ्रेंच लीजन ऑफ ऑनर' प्रदान किया।

4. लता मंगेशकर एक सच्ची राष्ट्रवादी थीं। भावी पीढ़ी उन्हें भारतीय संस्कृति की एक विभूति के रूप में याद करेगी, जिनके गायन कौशल में लोगों के मन को मोहित करने की बेजोड़ क्षमता थी। उनके निधन से देश ने एक प्रख्यात गायिका और एक महान व्यक्ति को खो दिया है। राष्ट्र, सुश्री लता मंगेशकर की अद्वितीय उपलब्धियों और उनकी राष्ट्र सेवा मे योगदान का सम्मान करता है।

5. सम्पूर्ण राष्ट्र उनके असामयिक निधन पर गहन शोक और दु:ख व्यक्त करता है तथा शोकसंतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करता है।

अजय कुमार भल्ला, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 9th February, 2022

OBITUARY

F. No.3/1/2022-Public.—Sushree Lata Mangeshkar, singer and Bharat Ratna Awardee died at Breach Candy Hospital, Mumbai on 6th February, 2022.

2. Born on September 28, 1929 at Indore, Lata Mangeshkar began learning classical music at the age of four from her father Dinanath Mangeshkar. She held her first concert at the age of seven. When her father died in 1942, thirteen year old Lata took over the responsibility of supporting the family. Music Director Ghulam Haider introduced her to Bombay Talkies and for more than 75 long years she lent her melodious voice to songs in hundreds of films, captivating the hearts of millions in India and abroad. For Didi, as she is respectfully known, language had never been a barrier. She lent her mellifluous voice to songs in most of the Indian languages and rendered over 30,000 songs. She has to her credit recordings of the Bhagavad Gita in Sanskrit. Her music has been a source of inspiration to millions of people in different walks of life, all over the world. Beyond films, she was passionate about India's growth and always wanted to see a strong and developed India.

3. Lata Mangeshkar has received numerous awards which include Padma Bhushan (1969), Padma Vibhushan (1999), Dada Saheb Phalke Award (1989), and the highest civilian award Bharat Ratna (2001) amongst others. In 2009, French Government conferred her with its highest award 'Officer of the French Legion of Honour'.

4. Lata Mangeshkar was a true nationalist. The coming generation will remember her as a stalwart of Indian culture, whose singing prowess had an unparalleled ability to mesmerize people. In her passing away, the nation has lost an eminent singer and a noble person. The nation places on record its appreciation of Sushree Lata Mangeshkar's unparalleled accomplishments and her service to the Nation.

5. The entire Nation expresses its deep sense of loss and grief on her untimely demise and extends its heartfelt condolences to the bereaved family.

AJAY KUMAR BHALLA, Home Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

SURENDER MAHADASAM
Digitally signed by SURENDER MAHADASAM
Date: 2022.02.09 16:23:31 +05'30'